मंगलवार, 02 जनवरी 2024, ठाणे, मुंबई

CITY NEWS MUMBAI

YouTube LIVE STREAM

दैनिक सिटी न्यूज़ मुंबई

सच का जोश

वर्ष 13 • अंकः 131

CITY NEWS MUMBAI

घर हो तो ऐसा सरकारी जमीन पऱ कब्जा करू कैसा

मीरा भायंदर (सिटी न्यूज़ मुंबई शकील शेख) घर हो तो ऐसा सरकारी जमीन पऱ कब्ज़ा करू कैसा कुछ इस तरह का ही मामला मिरारोड मे देखने को मिल रहा है.सरकारी जमीन पऱ तलाठी, सर्कल,तहेसीलदार, वार्ड ऑफिसर,

लेदर की गुर्गे आज भी दे रहे है शहर मे अवैध कार्य को अंजाम

इंजिनियर,और मनपा के आला अधिकारियो की मिली भगत के चलते यह सब संभव हो रहा है. लेदर भले ही जेल मे चला गया हो लेकिन आज भी उसके गुर्गे सरकारी जमीन और शहर के कोने कोपरे मे पार्टी का बोर्ड लगाकर फिर कुछ दिन बाद वहाँ पर स्टाल बनाकर भाड़े पऱ देते है. लेदर सियासी पार्टी का राज्य कार्यकारणीनी सदस्य था उसे पूरी तरह से सियासी पार्टी का संरक्षण प्राप्त होने के चलते उसपर कार्यवाही नहीं हो पा रही थी लेकिन ठाकरे सरकार के कार्यकाल मे गिरफ्तारी को अंजाम दिया गया है लेदर अब भजपा के के लिए गल्ले की हड्डी बन गया है.उसके गुर्गे आज भी शहर के सोसायटी के ओपन स्पेस मे कब्जा किये हुए जमीन शेष पृष्ठ 7 पर

अजित पवार समेत इन नेताओं ने कोरेगांव भीमा युद्ध स्मारक पर अर्पित की श्रद्धांजलि

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार, प्रकाश आंबेडकर और अन्य नेताओं ने सोमवार को कोरेगांव भीमा युद्ध की 206वीं वर्षगांठ के अवसर पर 'जय स्तंभ' पर श्रद्धांजलि अर्पित की. हर वर्ष लाखों लोग कोरेगांव भीमा युद्ध की वर्षगाठ के अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए 'जय स्तंभ' पर एकत्र होते हैं. यह युद्ध एक जनवरी 1818 को ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी और मराठा संघ के पेशवा गुट के बीच लड़ा गया था.

क्या कुछ बोले अजित पवार?

पत्रकारों से बात करते हुए पवार ने हाल में सम्पन्न हुए तीन राज्यों के विधानसभा चुनावों के परिणामों में हुई भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत का हवाला देते हुए कहा कि देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कोई विकल्प नहीं है.

प्रकाश आंबेडकर ने भी अर्पित की श्रद्धांजलि

'वंचित बहुजन आघाडी' के नेता प्रकाश आंबेडकर और शिरुर से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के सांसद अमोल कोल्हे ने भी विजय स्तंभ पर श्रद्धांजलि अर्पित की. पुणे पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि उन्हें स्मारक पर 10 लाख से अधिक लोगों के आने की उम्मीद है.

डिप्टी सीएम ने दिए सवालों के जवाब एक जनवरी शेष पृष्ठ 7 पर

12 जनवरी को महाराष्ट्र दौरे पर रहेंगे पीएम मोदी, 'मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक' का करेंगे उद्घाटन

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 12 जनवरी को देश के सबसे लंबे समुद्री पुल 'मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक' (एमटीएचएल) का उद्घाटन करेंगे. मुख्यमंत्री ने कहा कि मुंबई के सेवरी और रायगढ़ जिले के न्हावा शेवा क्षेत्र के बीच 21.8 किलोमीटर लंबे शेष पृष्ठ 7 पर

'अधूरे मंदिर में स्थापना करना गलत', राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा पर बोले महाराष्ट्र कांग्रेस चीफ नाना पटोले

महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने राम मंदिर , मोटर वाहन एक्ट और इंडिया गठबंधन समेत विभिन्न मुद्दों पर सोमवार को अपनी राय रखी. राम मंदिर के मुद्दे पर बीजेपी पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि "मंदिर अभी अधूरा है.अधूरे मंदिर में स्थापना करना गलत होगा. ऐसे समय में इलेक्शन का स्टंट करना इनकी आदत है." राम मंदिर में 22 जनवरी को रामलला की प्रतिमा स्थापित की जाएगी. संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान विपक्ष के कई सांसदों को सस्पेंड कर दिया गया था. इस मुद्दे पर पटोले ने कहा, "काले कानून बनाने के लिए विपक्ष के सांसदों को निलंबित किया गया." केंद्र सरकार मोटर वाहन एक्ट में सुधारना लाया गया. पहले शेष पृष्ठ 7 पर

उद्धव गुट और कांग्रेस के बाद सीट शेयरिंग पर आया NCP का बयान

आगामी लोकसभा चुनाव के लिए देशभर की सभी पार्टियों ने तैयारियां शुरू कर दी है. चुनाव को लेकर कई पार्टियों ने ताल ठोकना शुरू कर दिया है. गठबंधन और गठबंधन के बीच सीट बंटवारे पर चर्चा के लिए बैठकें शुरू हो गई हैं. महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव के लिए उद्धव गुट के 23 सीटों पर दावे के बाद अब एनसीपी (NCP) की तरफ से भी इसपर एक प्रतिक्रिया सामने आई है. सीट शेयरिंग पर NCP सांसद सुप्रिया

सुले ने कहा, "... 15 दिन पहले दिल्ली में सोनिया गांधी (Sonia Gandhi), उद्धव ठाकरे और शरद पवार के बीच मीटिंग हुई थी. उस मीटिंग में सीट शेयरिंग की काफी बातें साफ हुई थीं... अगले 8-10 दिन में आप तक भी जानकारी पहुंचा दी जाएगी. महाराष्ट्र में सीट शेयरिंग पर चर्चा महाराष्ट्र में महायुति और महाविकास अघाड़ी पर भी चर्चा चल रही है. महाराष्ट्र में कुल 48 लोकसभा सीटें हैं. बीजेपी, शिवसेना (शिंदे समूह) और एनसीपी (अजित पवार समूह) महागठबंधन में तीन प्रमुख दल हैं. महाविकास अघाड़ी में कांग्रेस, शिवसेना शेष पृष्ठ 7 पर

अत्याचारी शासक के सामने सच बात कहना और अपने मन पर काबू पाना भी और अपनी मां की खिदमत करना भी जिहाद (संघर्ष, प्रयत्न) है पैगंबर हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम का कथन

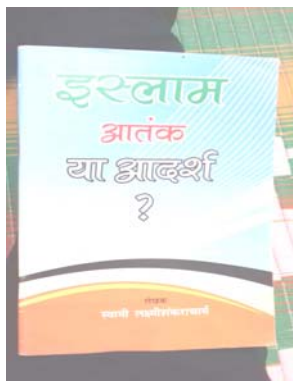

विगत वर्ष जब अमेरिकी राष्ट्रपति श्री बराक हुसैन ओबामा का भारत आगमन हुआ था तो मुंबई की एक स्कूल में श्री ओबामा से जिहाद से संबंधित प्रश्न किया गया था जिसका उन्होंने अंग्रेजी में जवाब दिया था। लोगों की जिहाद के बारे में जिज्ञासा और भावना को महसूस करते हुए इस्लामी दृष्टिकोण प्रस्तुत करना समय की मांग है जिहाद इस्लाम की एक पवित्र कल्पना है जिहाद शब्द जुह्द से बनता है जिसका अर्थ है योग्यता मेहनत व शक्ति। जिहाद तीन तरह का होता है 1. प्रत्यक्ष शत्रु के विरुद्ध प्रतिरक्षा सेल्फ डिफेंस (Self Defence) व प्रत्याक्रमण के लिए 2. बुराईयों से बचने के लिए शैतान के विरुद्ध 3. और अपने लिए यानी अल्लाह के मार्ग को अपनाने व उसकी निकटता प्राप्त करने के लिए जिहाद यानी प्रयत्न (Struggle) करना। कुरान में तीनों अर्थ इसी शब्द में समाहित है। पैगंबरे इस्लाम हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम का कथन है की सबसे बड़ा जिहाद अत्याचारी शासक के सामने सच बात कहना है और सबसे बड़ा जिहाद अपने मन पर नियंत्रण पाना है।(हदीस)। एक बार हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहो अलैह वसल्लम के एक साथी ने जिहाद में जाने की इजाजत मांगी तो पैगंबर हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने उससे पूछा क्या तेरे मां-बाप है उसने कहा हां मेरी मां है तो आपने कहा जाओ उसकी खिदमत करो यही तुम्हारा जिहाद है (हदीस) पैगंबरे इस्लाम हज़रत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने जो संदेश पेश किया है उसके मुताबिक पूरा विश्व अल्लाह का कुनबा(कुटुंब) है अतः अल्लाह को सबसे अधिक प्रिय वह व्यक्ति है जो उसके

कुबना (कुटुंब) के साथ अच्छा व्यवहार करें (हदीस बहकी)। और परिवार उसे कहा जाता है जहां बहुत से लोग मिलजुलकर शांति से रहते हैं एक दूसरे के दुख दर्द में शरीर होते हैं। विश्व परिवार में शांति तभी स्थापित हो सकती है जब धरती पर कहीं भी फसाद ना हो। इसी कारण से इस्लाम ने फसाद को कत्ल से भी बड़ा गुनाह बताया है।(कुरआन सूरे बकराह 217) और किसी एक इंसान की हत्या को पूरी मानवता की हत्या बताया है(कुरआन सूरे माईदह 32)। जिहाद और इस्लाम से संबंधित अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए स्वामी लक्ष्मी शंकराचार्य की लिखी पुस्तक इस्लाम आतंक या आदर्श का अध्ययन करना अत्यंत जरूरी है ताकि सभी लोगों को इस्लाम का सही दृष्टिकोण पता चल सके और जो गलतफहमियां है वह दूर हो सके और प्रेम और भाईचारे का माहौल निर्मित हो सके जो किसी भी समाज व देश की तरक्की के लिए अत्यंत जरूरी है। यह गलतफहमी तो दूरियां बढ़ाती है करीब आओ तो कोई बात बने।

सभी पाठकों से विनम्र निवेदन है कि वह अल्लाह से दुआ करें कि वह अपनी रहमत से मेरी वालिदा मां हज्जन जुबेदा बी कि मगफिरत फरमाकर उनकी कब्र को रोशन और मुनव्वर फरमाकर उसे जन्नत के बाग में तब्दील फरमाकर उन्हें जन्नत फिरदौस में आला मुकाम अता फरमाए आमीन या रब्बुल आलमीन और सभी ईमान वालों को अल्लाह और रसूल की राह पर चलने की तौफीक अता फरमाए आमीन। - साजिद खान धनपुरी जिला शहडोल मध्य प्रदेश

स्वतंत्रता सेनानी मदुरै जमाल मुहम्मद इनकी यौमे-ए-पैदाइश भी जनवरी के महीने हुईं थीं

मदुरै जमाल मुहम्मद, जो दक्षिण भारत में एक महान परोपकारी, शिक्षाविद् और व्यवसायी के रूप में प्रसिद्ध थे, उनका जन्म जनवरी 1882 में हुआ था। उनके पिता चमड़ा उद्योग के एक प्रसिद्ध, धनी व्यवसायी थे। वह एक शिक्षाविद् भी थे और उन्होंने जामिया अरबी कॉलेज की स्थापना की और अरबी और उर्दू भाषाओं और आध्यात्मिक शिक्षा के विकास में मदद की। मदुरै जमाल मुहम्मद ने अपने पिता के मार्ग का अनुसरण किया और अपनी शिक्षा के तुरंत बाद चमड़ा उद्योग के अपने पारिवारिक व्यवसाय को अपनाया। मदुरै जमाल मुहम्मद, जो किसी भी काम को समर्पण और दृढ़ संकल्प के साथ पूरा करने की क्षमता रखते थे, ने चमड़ा उद्योग में नई ऊंचाइयों को छुआ। वे 1917 में साउथ इंडिया स्किन एंड हाइड्स मर्चेंट्स एसोसिएशन के पहले

महासचिव बने। स्वतंत्र विचारों के व्यक्ति होने के नाते उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन को अप्रत्यक्ष मदद और सहयोग दिया। जब गांधीजी राष्ट्रीय आंदोलन के लिए धन एकत्र कर रहे थे तो उन्होंने उन्हें एक ब्लैंक चेक देकर सभी को आश्चर्यचकित कर दिया। साइमन कमीशन द्वारा प्रस्तावित सुधारों के विरुद्ध आंदोलन के दौरान उन्होंने सीधे राष्ट्रीय आंदोलन में प्रवेश किया। उन्होंने दुर्लभ क्षमता से जागरूकता अभियान चलाए। जमाल मुहम्मद ने महात्मा गांधी, आगा खान और राजाजी जैसे स्वतंत्रता सेनानियों के साथ घनिष्ठ संबंध के कारण भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्हें 1932 के दूसरे गोलमेज सम्मेलन का निमंत्रण मिला। स्वदेशी और खादी आंदोलनों को पूर्ण समर्थन देने के अलावा, उन्होंने व्यक्तिगत रूप से खादी पहनी। उन्होंने स्वदेशी वस्तुओं को लोकप्रिय बनाने के लिए मद्रास में एक विशाल प्रदर्शनी की व्यवस्था की। ब्रिटिश शासन से आज़ादी पाने के उद्देश्य से की गई सभी गतिविधियों में वित्तीय और आर्थिक सहयोग देने के अलावा, उन्होंने शिक्षा के विकास पर विशेष ध्यान दिया और इस उद्देश्य के लिए उदारतापूर्वक दान दिया। उस प्रक्रिया में जमाल मुहम्मद ने अपने करीबी दोस्त एन एम खामिया रौथार के साथ मिलकर एक शैक्षणिक संस्थान की स्थापना की जो आज जमाल मुहम्मद कॉलेज के रूप में फल-फूल रहा है। 7 नवंबर 1949 को मुदरै जमाल मुहम्मद का निधन हो गया

(संदर्भः द इम्मोर्टल्स-2, सैयद नसीर अहमद द्वारा, 9440241727)संकलन हसरत अलीशेरपुर जिला मुजफ्फरनगर उत्तर प्रदेशफ़ोन नंबर 8580533689

'कुछ ताकतें आदिवासी समुदाय को बांटने की कोशिश कर रहीं', सोरेन बोले- आपके हित सरकार की प्राथमिकता

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को कहा कि कुछ ताकतें 'जल, जंगल और जमीन' से संबंधित मुद्दों पर आदिवासी समुदाय को विभाजित करने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि ये ताकतें आदिवासी संस्कृति और परंपराओं पर भी हमला कर रही हैं। बता दें कि सीएम ने 1948 में आज ही के दिन खरसावां में मारे गए आदिवासियों को श्रद्धांजलि दी और फिर सभा को संबोधित किया।

उन्होंने कहा, 'आदिवासी उपेक्षित रहते हैं क्योंकि नीति निर्माता कभी भी समुदाय के हितों को ध्यान में नहीं रखते हैं।

यही कारण है कि आदिवासी कमजोर हो गए हैं और आर्थिक, शैक्षणिक, बौद्धिक और राजनीतिक रूप से पिछड़ गए हैं।'

सीएम ने आरोप लगाया, 'समाज में कुछ ताकतें हैं जो आदिवासियों को 'जल, जंगल और जमीन' से संबंधित मुद्दों पर विभाजित करना चाहती हैं और छोटानागपुर किरायेदारी अधिनियम और संताल परगना किरायेदारी अधिनियम जैसे कानूनों के साथ छेड़छाड़ करके समुदाय को विस्थापित करना चाहती हैं। वे आदिवासी संस्कृति और परंपराओं पर भी हमला कर रहे हैं।

इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन, भाजपा के विदेश मामलों के विभाग के प्रभारी विजय चौथाईवाले, तमिलनाडु के पार्टी नेता और अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

ममता के करीबी मंत्री फिरहाद हकीम ने TMC नेताओं पर ही लगाए आरोप, कहा- कु छ नेता भ्रष्टाचार में लिप

पश्चिम बंगाल के मंत्री और ममता बनर्जी के करीबी कहे जाने वाले फिरहाद हकीम के एक बयान ने टीएमसी की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। स्कूल भर्ती अनियमितताओं को लेकर फिरहाद हकीम ने कहा कि टीएमसी के कुछ नेता भ्रष्टाचार में पूरी तरह से डूबे हुए हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि इसका यह मतलब नहीं हैं कि पूरी पार्टी ही भ्रष्ट हैं।

नौकरियों के नाम पर पैसों की लूट- हकीम

टीएमसी के नेताओं पर टिप्पणी करते हुए हकीम ने कहा कि पार्टी के कुछ नेता नौकरियों के नाम पर लोगों से पैसा लूटते हैं। उन्होंने कहा, जो लोग भर्ती घोटाले में भ्रष्टाचार में लिप्त हैं, वे पापी हैं। गौरतलब है कि उनकी यह टिप्पणी उस वक्त सामने आई जब स्कूल भर्ती अनियमितताओं में कई टीएमसी नेताओं और राज्य मंत्रियों की गिरफ्तारी हुई हैं।

जब भ्रष्टाचार हुआ था, तो वह चुप क्यों थे- कुणाल

फिरहाद हकीम के बयान पर न केवल विपक्ष बल्कि उनकी ही पार्टी के भीतर से तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आने लगी हैं। टीएमसी प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा कि जब भ्रष्टाचार हो रहा था तब वह क्या कर रहे थे? तब वह चुप क्यों थे? यह दिखावा करने का प्रयास कि कुछ लोग बहुत ईमानदार हैं, हास्यास्पद है।

दिलीप घोष बोले, जनता को बना रहे बेवकूफ

वरिष्ठ भाजपा नेता दिलीप घोष ने कहा कि हकीम का बयान लोकसभा चुनाव से पहले राज्य के लोगों को बेवकूफ बनाने की एक चाल है। दिलीप घोष ने कहा उन्हीं पर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि जब भ्रष्टाचार हो रहा था, हर कोई अपना-अपना हिस्सा लेने में व्यस्त था। अब चुनाव से पहले वे ऐसा व्यवहार कर रहे हैं जैसे उन्हें कुछ पता ही नहीं है।

रेलवे ने किया न तो मान सरकार ने लिया बड़ा फै सला, अब चार्ट र्ड विमान से तीर्थ यात्र करें गे बुजुर्ग

पंजाब सरकार अब बुजुर्गों को चार्टर्ड विमान से तीर्थ यात्रा करवाएगी। रेलवे द्वारा ट्रेन देने से इनकार करने के बाद पंजाब सरकार ने यह बड़ा फैसला लिया है। जानकारी के अनुसार, राज्य सरकार ने इस संबंध में योजना का पूरा खाका तैयार करने के साथ ही चार्टर्ड विमान भी बुक कर लिया है। सोमवार को मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि जल्द ही इसका एलान किया जाएगा। बता दें कि पंजाब सरकार ने कई रूटों पर ट्रेन बुक की थी। रेलवे को अग्रिम भुगतान भी कर दिया था। वहीं कुछ ट्रेनों से तीर्थ यात्री रवाना भी हो चुके थे। मगर अब रेलवे ने कहा कि उनके पास इंजनों की कमी है। इसके बाद ट्रेन उपलब्ध कराने से भी मना कर दिया। दिल्ली के बाद पंजाब में 'मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना' की शुरुआत 27 नवंबर को अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान ने धूरी से की थी। योजना के तहत पंजाब के आर्थिक रूप से कमजोर 60 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों को देशभर के तीर्थ स्थानों की मुफ्त यात्रा कराई जाएगी। अगले तीन महीनों में 50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं को इस सुविधा का लाभ मिलेगा। इनमें 13 हजार श्रद्धालु को ट्रेन से यात्रा करवाना था। प्रत्येक आठ दिन के बाद चलने वाली इन 13 रेलगाड़ियों में से प्रत्येक में एक हजार यात्रियों को ले जाना था। बाकी श्रद्धालुओं को बसों से यात्रा करवाई जाएगी और रोजाना 10 बसें चलेंगी। प्रत्येक बस में 43 यात्री सवार होंगे।

6 लोगों से किया 17 लाख की चीटिं ग,के स दर्ज कर आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

सिटी न्यूज मुंबईभिवंडी में सस्ते दरों पर घर खरीदवाने अथवा हैवी डिपॉजिट पर रूप दिलाने के नाम पर शहर व आस पास में बड़े तादात में दलाल सक्रिय है।जिनके पास किसी प्रकार का लाइसेंस न होने के बावजूद वे खुलेआम प्रशासन की नाक के नीचे नियम कानून को ताक पर रखकर ग्राहकों को फसाने का काम कर रहे है।इसी तरह स्थानीय गैबीनगर इलाके में एक दलाल द्वारा छह लोगों के साथ हैबी डिपोजिट पर मकान दिलाने के नाम पर 17 लाख 50 हजार की धोखाधड़ी किए जाने का मामला प्रकाश में आया है।पुलिस ने शिकायत बाद ठगी करने वाले को गिरफ्तार कर लिया है।इस घटना के बाद जनता के साथ ठगी करने वाले दलालों में दहशत फैल गया है। पुलिस के मुताबिक शांतिनगर के नादिया पार इलाके में रहने वाला वसीम अहमद हस्नैन शाह ने स्थानीय गैबीनगर इलाके में स्थित असगर सेठ की बिल्डिंग में 2 लाख रुपए की हैबी डिपोजिट पर रूम दिलाने के नाम पर दलाली का गोरखधंधा शुरू किया था।जिसने 2 लाख रूपये लेकर दूसरे की घरों में झाडूपोछा कर जीविका चलाने वाली महिला रेश्मा इस्लाम खान को मकान दिलाने ने नाम पर एग्रीमेंट भी किया था। लेकिन कई महीना बीत जाने के बाद भी वह उस महिला को न तो मकान दिलाया और न ही उनका पैसा लौटाया।इसी तरह उसने 5 अन्य लोगों से हैबी डिपोजिट पर मकान दिलाने के नाम पर लगभग 15 लाख 50 हजार रूपये का ठगी कर चुका था।सभी को हैवी डिपॉजिट पर रूम देने का एग्रीमेंट भी किया है। डिपोजिट पर मकान लेने वाले जब उससे पैसा वापस मांगते तो पैसा वापस देने के लिए आनाकानी करता था।उक्त ठग अभी तक लगभग 6 लोगों से 17 लाख 50 हजार रूपये की ठगी कर चुका है।जो कि शांतिनगर परिसर के विभिन्न क्षेत्रों में अपना जाल बिछा कर गोरखधंधा शुरू किया था। पीड़ित महिलाओं की एक टोली ने कल वसीम शाह को पकड़ कर शांतिनगर पुलिस के हवाले किया है। जिसके बाद शांतिनगर पुलिस ने ठगी करने वाले वसीम खान के खिलाफ ठगी करने, गाली गलौज करने सहित अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।मामले की जांच कर रहे सहायक पुलिस निरीक्षक संतोष तपासे कर रहे है।

'आतंकियों ने भोले-भाले मुस्लिम युवाओं की भर्ती की बनाई थी योजना', आरोप-पत्र में NIA का दावा

आईएसआईएस मॉड्यूल मामले में गिरफ्तार किए गए छह लोग प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन का सक्रिय रूप से समर्थन कर रहे थे और भोले-भाले मुस्लिम युवाओं के बीच इसकी विचारधारा का प्रचार कर रहे थे। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने हाल ही में यहां एक अदालत में दायर अपने आरोपपत्र में यह दावा किया। आईएसआईएस मॉड्यूल मामले में महाराष्ट्र में कई छापों के दौरान जुलाई 2023 में छह लोगों को गिरफ्तार किया गया था। एनआईए ने गुरुवार को दायर आरोपपत्र में कहा है कि आरोपियों ने भारत में आतंकवादी कृत्यों को अंजाम देने की योजना बनाई थी। उनकी पहचान ताबिश सिद्दीकी, जुल्फिकार अली, शरजील शेख और आकिफ अतीक नाचन, जुबैर शेख और अदनाली सरकार के रूप में हुई थी। विशेष एनआईए न्यायाधीश एके लाहोटी की अदालत में दायर 4000 पन्नों के आरोपपत्र में 16 संरक्षित गवाह हैं। आरोप पत्र में कहा गया कि जांच के दौरान पता चला था कि आरोपियों ने भारत में आईएसआईएस को समर्थन दिखाने के लिए आतंकवादी कृत्यों को अंजाम देने की योजना बनाई थी और बोरीवली (ठाणे जिले में) में बैठकें आयोजित की गई थीं।

इसके मुताबिक, गवाहों के बयान से यह स्पष्ट है कि आरोपियों ने छोटी मस्जिद, पडघा-बोरीवली में कई बैठकें की थीं। जिसमें वे आईएसआईएस के लिए भोले-भाले मुस्लिम युवाओं की भर्ती की योजना बनाते थे। आईएसआईएस की गतिविधियों को आगे बढ़ाते थे, दाएश की विचारधारा का प्रचार करते थे। इसमें आगे कहा गया है कि वे सभी प्रतिबंधित आईएसआईएस संगठन के सदस्य हैं और उन्होंने लोगों के बीच भय और आतंक पैदा करने और भारत की सुरक्षा, इसके धर्मनिरपेक्ष लोकाचार और संस्कृति के साथ-साथ शासन की लोकतांत्रिक प्रणाली को खतरे में डालने के इरादे से संगठन की आतंकवादी गतिविधियों को आगे बढ़ाने की साजिश रची थी।

आरोपपत्र में कहा गया है कि आरोपी अपने संपर्कों के साथ डीआईवाई (डू इट योरसेल्फ) किट साझा कर रहे थे और अपनी आतंकी योजनाओं और डिजाइनों के वित्तपोषण के लिए धन जुटा रहे थे। इसके मुताबिक, उन्होंने युवाओं की भर्ती की और उन्हें आईईडी और हथियारों (छोटे हथियारों) के निर्माण में प्रशिक्षित किया, जिसके लिए उन्होंने आपस में डीआईवाई किट सहित प्रासंगिक सामग्री साझा की। उन्होंने कहा कि एक सैनिक का कर्तव्य और जिम्मेदारी अद्वितीय होती है क्योंकि वह हर दिन मौत का सामना करता है और जानता है कि दुश्मन की गोली कभी भी, कहीं से भी आ सकती है। यह जानते हुए भी वे पूरे दिल और आत्मा से सीमाओं की रक्षा करते हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि हमारे सैनिकों के मन में इस देश और देश के लोगों की सुरक्षा के प्रति प्रेम की भावना है। उनके भीतर भी राष्ट्रीय स्वाभिमान की प्रबल भावना है। समाज के रूप में हम सामूहिक रूप से अपने सैनिकों के ऋणी हैं।

षष्ठीपूर्ति महोत्सव में आए सीएम योगी, बोले- संघर्ष से नहीं संवाद से होगा मथुरा-काशी मुद्दे का हल

वृन्दावन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि और ज्ञानवापी विवाद का हल संघर्ष से नहीं संवाद से होगा। प्रदेश की हर बड़ी समस्या का समाधान होगा। वे सोमवार को वात्सल्य ग्राम में साध्वी ऋंतभरा के षष्ठीपूर्ति महोत्सव में बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की आधी आबादी की सशक्ति के लिए क्या अभियान चलना चाहिए, उसका मूर्तरूप वात्सल्य ग्राम में देखने को मिल रहा है। महिलाएं लंबे समय से कुप्रथा की शिकार रहीं हैं, लेकिन यहां बालिकाओं का सैनिक स्कूल खोले जाने से बच्चियां और सशक्त होंगी। उन्होंने कहा समाज को सशक्त और समर्थ होना है, तो नारी शक्ति की सुरक्षा, उनके सम्मान और स्वावलंबन के बिना संभव नहीं है। इसके लिए हम सभी को जुटना पड़ेगा। देश के अंदर सैनिक स्कूलों की परंपरा उत्तर प्रदेश में 1960 में प्रारंभ हुई थी, जब डॉक्टर संपूर्णानंद मुख्यमंत्री थे। उन्होंने देश का पहला सैनिक स्कूल लखनऊ में स्थापित किया था। मुझे 2017 में लखनऊ के सैनिक स्कूल जाने का अवसर मिला था। मैंने वहां पूछा था कि यहां बालिकाओं का प्रवेश है तो, उन्होंने कहा कि नहीं। तो मैंने कहा कि अगले सत्र से इसमें बालिकाओं का भी प्रवेश हो। वर्ष 2018 में इस कार्यक्रम को हमने वहां पर प्रारंभ किया। सैनिक स्कूल बालक-बालिकाओं के मन में सेना का अनुशासन ला रहा है। सीएम योगी ने कहा कि जीवन का यह अनुशासन और सैन्य शक्ति का अनुशासन हम सबको आगे बढ़ाने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के 2047 तक विकसित भारत का संकल्प पूरा करने के लिए प्रत्येक भारतवासी को प्रण लेना चाहिए। हजारों वर्ष पूर्व पुष्पक विमान से प्रभु राम अयोध्या आए थे आज वहां का पूरा इंन्फ्रास्ट्रक्चर बदल गया है। छह-छह लेन की सड़क बन गई है।

रामलला की तीन मूर्ति योंमें से एक का हुआ चयन, कें द्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने एक्स पर लिखी यह बात

रामलला की तीन मूर्तियों में से एक मूर्ति का चयन हो गया है। कर्नाटक के जानेमाने मूर्तिकार अरुण योगीराज की मूर्ति का चयन हुआ है। प्रहलाद जोशी ने सोशल मीडिया पर इस बात की जानकारी दी है।

केंद्रीय मंत्री ने एक्स पर लिखी यह बात

प्रह्लाद जोशी ने एक्स पर लिखा, 'जहां राम हैं, वहां हनुमान हैं। अयोध्या में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा के लिए मूर्ति का चयन हो गया है। हमारे देश के सुप्रसिद्ध मूर्तिकार, हमारे गौरव श्री अरुण योगीराज के द्वारा बनाई गई भगवान राम की मूर्ति अयोध्या में स्थापित की जाएगी। यह राम और हनुमान के अटूट रिश्ते का एक और उदाहरण है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि हनुमान की भूमि कर्नाटक से रामलला के लिए यह एक महत्वपूर्ण सेवा है।'

प्राण प्रतिष्ठा का आमंत्रण घर-घर पहुंचना हुआ शुरू

22 जनवरी को अभिजीत मुहूर्त मृगषिरा नक्षत्र में दोपहर 12:20 बजे पीएम नरेंद्र मोदी रामलला की प्राण प्रतिष्ठा करेंगे। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में रामभक्तों और श्रद्धालुओं को निमंत्रण देने का आगाज सोमवार से हो गया। देशभर के पांच लाख से अधिक गांवों और चार हजार से अधिक शहरी इलाकों में अक्षत वितरण के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल और भाजपा सहित संघ के सभी अनुषांगिक संगठनों के करीब चार लाख से अधिक कार्यकर्ता राम का निमंत्रण देने घर-घर जाएंगे। इसके साथ ही दिव्य-भव्य मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह का शंखनाद अयोध्या से पूरे देश में हो गया।

राम मंदिर में आरती के लिए ऑनलाइन बुकिंग

प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पूर्व रामजन्मभूमि मंदिर में आरती के लिए ऑनलाइन बुकिंग बृहस्पतिवार से शुरू हो गई। इसके लिए पास जारी किया जाएगा। खंड प्रबंधक ध्रुवेश मिश्र ने बताया कि दिन में तीन बार भगवान राम की आरती होगी। रामजन्मभूमि मंदिर के पोर्टल से पास ऑनलाइन बना सकते हैं, लेकिन यह अयोध्या के काउंटर से ही मिलेगा। इसके लिए आधार कार्ड, वोटर आईडी, ड्राइविंग लाइसेंस और पासपोर्ट में से कोई एक दस्तावेज देना होगा। उसे साथ रखना भी होगा।

प्राण प्रतिष्ठा पर रामलला को अर्पित किया जाएगा बनारसी पान, विशेष ऑर्डर पर किया जा रहा इंतजाम

अयोध्या के श्रीराम मंदिर में 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर भगवान श्रीराम को भोग लगाने के बाद बनारसी पान अर्पित किया जाएगा। विशेष ऑर्डर पर यह पान बनारस से अयोध्या भेजा जाएगा। बता दें कि रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए काशी से बनारसी वस्त्र, पूजा थाल और अन्य जीआई उत्पादों का भी जाना शुरू हो गया है। वहीं, लकड़ी का श्रीराम दरबार और बनारसी दुपट्टा, रामनामी, स्टोन क्राफ्ट जाली वर्क, जरदोजी, वॉल हैंगिंग समेत अन्य उत्पाद बड़ी संख्या में अयोध्या मंगाए जा रहे हैं। रामलला को अर्पित करने के लिए पान अयोध्या की हनुमान गढ़ी में स्थित दीपक चौरसिया की दुकान से जाएगा लेकिन, दीपक ने भगवान के लिए पान का इंतजाम करने का जिम्मा वाराणसी के अपने रिश्तेदार उमाशंकर चौरसिया को सौंपा है। वाराणसी के पान कारोबारी को 151 पान का ऑर्डर मिला है। यह पान विशेष ढंग से बनाया जाएगा। यह सभी पान मीठे होंगे। उन्हें सिंघाड़े की आकृति देकर चांदी के बरक में लपेटा जाएगा।

सम्पादकीय

सराहनीय पहल

सरकार ने ICU में भर्ती करने के लिए गाइडलाइंस जारी की है। गाइडलाइंस क्रिटिकल केयर मेडिसिन के एक्सपर्ट द्वारा तैयार की गई है और यह सलाह या मार्गदर्शन के रूप में उपयोगी है। इससे इस्तेमाल करने के लिए हेल्थ मिनिस्ट्री के अंतर्गत टेक्निकल एडवाइजरी और रेग्युलेटरी बॉडी को काम आसान होगा। यह गाइडलाइंस मरीज की स्थिति के आधार पर ICU में भर्ती करने की जरूरत को निर्धारित करने में मदद करेगा। किसी मरीज को ICU में भर्ती करने के लिए गाइडलाइंस लाने का केंद्र सरकार का फैसला वक्त की जरूरतों के अनुरूप है। यह पहला मौका है, जब सरकार ने ऐसा कोई गाइडलाइन जारी किया है। कई वजहों से इसकी जरूरत महसूस की जाने लगी थी।

एक्सपर्ट्स पैनल : इस कदम के साथ जुड़ी आश्वस्त करने वाली पहली बात यह है कि गाइडलाइन क्रिटिकल केयर मेडिसिन के एक्सपर्ट माने जाने वाले देश के 24 डॉक्टरों की समिति ने तैयार की है। दूसरी बात यह कि इसे अनिवार्य नहीं बनाया गया है। इसे सलाह या मार्गदर्शन के ही रूप में रखा गया है। ऐसा करना जरूरी इसलिए था क्योंकि मरीज की स्थिति के बारे में हमेशा पहले से तय खांचे में नहीं सोचा जा सकता। आ रही थीं शिकायतें : निजी पूंजी के आने से पिछले कुछ वर्षों में देश में हेल्थकेयर स्ट्रक्चर का तेजी से विकास हुआ है। प्राइवेट हॉस्पिटलों की संख्या बढ़ने से लोगों की चिकित्सा सुविधाओं तक पहुंच बढ़ी है। लेकिन इन अस्पतालों में ICU बेड का खर्च जनरल वार्ड के मुकाबले पांच से दस गुना ज्यादा होता है। ऐसी शिकायतें रही हैं कि मरीज को जरूरत न होने पर भी ICU में भर्ती कर लिया गया या यह कि ICU में भी आवश्यक चिकित्सा सेवा समय पर उपलब्ध नहीं हुई।

प्राथमिकताओं का सवाल : जाहिर है, इस गाइडलाइन की जरूरत थी। हालांकि कुछ हलकों से यह आवाज भी आई है कि देश में खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधाओं की पहुंच नाकाफी है और इसलिए सरकार को अपनी प्राथमिकता ICU सुविधाओं को सीमित करने के बजाय इसे सब तक पहुंचाने की होनी चाहिए। लेकिन ICU संसाधन हर देश में सीमित ही होते हैं। इसलिए यह जरूरी हो जाता है कि इसका गैरजरूरी इस्तेमाल न हो ताकि यह सभी जरूरतमंदों को उपलब्ध हो सके। विकसित देशों में भी ऐसे प्रोटोकॉल रखे जाते हैं। जहां तक इन गाइडलाइंस के सुझावात्मक होने का सवाल है तो इससे इसकी उपयोगिता कम नहीं हो जाती। चूंकि गाइडलाइन डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज (DGHS) द्वारा सार्वजनिक कर दिया गया है, इसलिए यह सबके लिए उपलब्ध है। ऐसे में हेल्थ मिनिस्ट्री के अंतर्गत आने वाली तमाम टेक्निकल एडवाइजरी और रेग्युलेटरी बॉडी का काम आसान होगा। अब वे आसानी से तय कर पाएंगे कि किसी खास केस में ICU में एडमिशन जरूरी था या नहीं।

पेशेवर हो रवैया: हालांकि ये चीजें समाज में जागरूकता के स्तर और पेशागत जिम्मेदारियों के अहसास से जुड़ी हैं। मेडिकल फील्ड में बड़ी पूंजी का प्रवेश सुविधाएं बढ़ाने के साथ-साथ अगर अनप्रफेशनल प्रवृत्तियों को भी बढ़ावा दे रहा है तो अपने पेशे की इस बुराई से निपटने की जिम्मेदारी प्राथमिक तौर पर मेडिकल प्रफेशनल्स की ही बनती है। पेशंट और डॉक्टर के बीच जो रिश्ता है, उसकी बेहतरी सबसे ज्यादा इन्हीं दोनों पर निर्भर है।

यूं ही नहीं थमे देशभर में लाखों ट्रकों-बसों के पहिए, परेशान हुए लोग; अब अनिश्चितकालीन हड़ताल की तैयारी

पूरे देश में बसों और ट्रकों के पहिए नए साल के पहले दिन थम गए। इसमें प्राइवेट बसों ट्रकों से लेकर सरकारी महकमें की बसें भी शामिल रही। आलम यह रहा कि सोमवार को देश के ज्यादातर राज्यों के हाईवेज पर न सिर्फ ट्रक और प्राइवेट बस खड़ी हो गई। सरकारी बसों के पहिए भी इस हड़ताल में थम गए। नतीजा हुआ कि देश के अलग-अलग राज्यों में सफर करने वाले यात्रियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा, जबकि राष्ट्रीय राजमार्गों पर हड़ताल के चलते कई जगहों पर भारी जाम का भी सामना करना पड़ा। जिसके चलते इन रास्तों से आने जाने वाले लोगों को भी खूब परेशानियां हुई। ऑल इंडिया ट्रक और बस ड्राइवर संगठन का कहना है ड्राइविंग के दौरान हुई दुर्घटना के लिए बनाया गया नया कानून अगर नहीं बदला जाएगा तो यह स्ट्राइक अनिश्चितकालीन के लिए बढ़ा दी जाएगी। ऑल इंडिया ट्रक और बस ड्राइवर संगठन समेत अलग-अलग ड्राइवर संगठन के लोगों ने 1 जनवरी से 3 जनवरी तक का 'स्टेरिंग छोड़ो' के नाम से चक्का जाम शुरू कर दिया है। संगठन के सोनू यादव कहते हैं कि आपराधिक कानूनों में किए गए बदलाव के कारण हिट एंड रन केस में भी सजा बढ़ा दी गई है। जिसके चलते देश भर में ट्रक और बस चालकों ने विरोध प्रदर्शन किया है। सजा की अवधि बढ़ाए जाने के खिलाफ बस और ट्रक ड्राइवरों के साथ-साथ ऑटो चालकों ने भी मोर्चा खोल दिया है। वह कहते हैं कि हिट एंड रन केस में नए कानून के तहत फरार और घातक दुर्घटना की सूचना नहीं देने पर ड्राइवरों को अब दो साल की नहीं, बल्कि 10 साल तक की जेल हो सकती है। उनका कहना है कि सड़कों पर रोजाना लाखों की संख्या में ट्रक ड्राइवर चलते हैं और कई दुर्घटनाएं भी होती हैं। ऐसी दुर्घटनाओं में अक्सर ड्राइवर अपनी जान बचाकर निकलता है। भले ही गलती ट्रक ड्राइवर की हो या ना हो। उनका कहना है अगर ड्राइवर वहां पर रुक जाए तो मौजूद भीड़ की हत्या तक कर सकती है। अब नए कानून में अगर वह ड्राइवर भाग जाता है तो उसको 2 साल की जगह पर 10 साल की सजा और सात लाख रुपए का जुर्माना देना होगा। ऑल इंडिया ट्रक और बस ड्राइवर संगठन का कहना है कि इस जुर्माना और सजा के खिलाफ ही उनका चक्का जाम शुरू हुआ है। इस चक्का जाम का असर उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, पंजाब, हरियाणा और महाराष्ट्र समेत देश के ज्यादातर राज्यों के राजमार्ग पर दिखा। उत्तर प्रदेश रोडवेज कर्मचारी महासंघ के प्रमोद बताते हैं कि प्रदेश के ज्यादातर बस अड्डों से सरकारी बसें भी एक जनवरी को नहीं चली, क्योंकि बस के ड्राइवर भी इस हड़ताल का हिस्सा बनकर कानून को बदलने की मांग कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश में ही हजारों बसों के न चलने से सिर्फ सोमवार को ही सफर करने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सरकारी बस जो बस अड्डे में खड़ी थी वहां से नहीं हिली। अगर यह हड़ताल आगे बढ़ती है तो लाखों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। ट्रक और बस ड्राइवर संगठन के बिहार चैप्टर से जुड़े रघुवीर प्रसाद कहते हैं कि उनके राज्य में सड़कों पर ट्रक बस ड्राइवर ने गाड़ियां लगा दी है। रघुवीर कहते हैं अगर केंद्र सरकार उनकी मांग नहीं मानती है तो यह हड़ताल निश्चित कालीन के लिए आगे भी बढ़ जाएगी। ऑल इंडिया ट्रक और बस ड्राइवर संगठन के सोनू यादव का कहना है कि जब तक कानून में बदलाव नहीं किया जाएगा तब तक यह हड़ताल जारी रहेगी। वह कहते हैं कि उनके साथ सिर्फ ट्रक और बसों के ड्राइवर ही नहीं बल्कि सरकारी संगठन से जुड़े सभी वाहन चालक भी शामिल हो गए हैं। संगठन ने पूरे देश में ओला उबर और अन्य प्राइवेट वाहन चालकों को भी इस हड़ताल में शामिल होने की अपील की है। संगठन के मुताबिक, फिलहाल पहले दिन पूरे देश में जिस तरीके की हड़ताल का व्यापक असर हुआ है उससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि केंद्र सरकार उनकी मांग जरूर सुनेगी। वह कहते हैं अगर ऐसा नहीं होता है तो आने वाले दिनों में संगठन और बड़े स्तर की रणनीति बनाकर पूरे देश में इस हड़ताल को आगे बढ़ाएंगे। नए कानून के विरोध में हुई हड़ताल का आलम यह रहा कि देश के अलग-अलग राज्यों के कई बड़े हाईवेज पूरी तरह सोमवार को दिन भर जाम रहे। हड़ताल की वजह से लोगों को न सिर्फ आने जाने में परेशानी हुई बल्कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर जाम के चलते लोगों को बड़ी परेशानियों का सामना भी करना पड़ा। संगठन से जुड़े विष्णु बघेल कहते हैं कि उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल इलाके में सुबह से मौजूद है। वह कहते हैं कि बाईपास इलाके में ट्रकों और बसों के चक्का जाम का व्यापक असर देखने को मिला है। विष्णु के मुताबिक यह हड़ताल अभी 3 जनवरी तक चलनी है। अगर सरकार उनकी मांग को नहीं मानती है तो यह अनिश्चितकालीन के लिए भी आगे बढ़ सकती है।

ऑल इंडिया ट्रक ड्राइवर संगठन के पंकज विश्वकर्मा कहते हैं कि स्टेरिंग छोड़ो आंदोलन को सफल बनाने के लिए ही देश के सभी ड्राइवर ने सोमवार को एकजुट का परिचय दिया है।

ताजमहल या तेजो महालय? दावे से संबंधित विवाद पहुंचा न्यायालय; अब सुनवाई का इंतजार

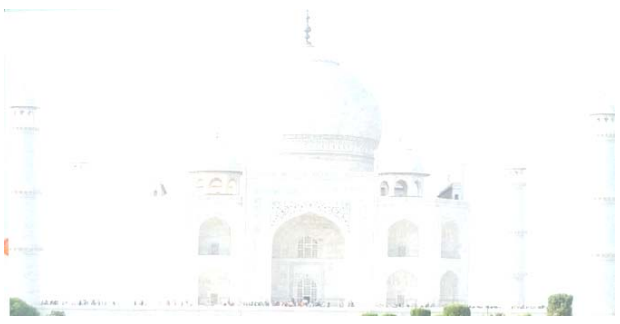

आगरा ताजमहल के तेजो महालय होने के दावे से संबंधित विवाद सोमवार को न्यायालय पहुंच गया। योगेश्वर श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संघ ट्रस्ट और क्षत्रिय शक्तिपीठ विकास ट्रस्ट की ओर से अधिवक्ता अजय प्रताप सिंह की ओर से सिविल न्यायालय (सीनियर डिवीजन) में वाद प्रस्तुत किया गया। इसमें भारतीय पुरातत्व विभाग सर्वेक्षण को प्रतिवादी बनाया था। न्यायालय ने सुनवाई के बाद वादी को धारा 80(1) सिविल प्रकिया संहिता नोटिस की कार्यवाही पहले पूरी करने को कहा। अधिवक्ता अजय प्रताप सिंह ने बताया कि प्रतिवादी को नोटिस भेजकर दो महीने की समय सीमा के बाद दोबारा वाद दायर करेंगे। इसके पहले दायर प्रार्थना पत्र में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग द्वारा महानिदेशक नई दिल्ली, अधीक्षक आगरा सर्किल भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग व पर्यटन निदेशालय द्वारा महानिदेशक पर्यटन विभाग उत्तर प्रदेश सरकार को लखनऊ को प्रतिवादी बनाया है।

अधिवक्ता ने बताया कि बाबर की पुस्तक बाबरनामा में ताजमहल के निर्माण का उल्लेख है। जिसमें वर्तमान में ताजमहल में स्थित चारबाग (पैराडाइज गार्डन) गार्डन के निर्माण का उल्लेख चारबाग नाम से उल्लेख है। बाबरनामा में पानी के तंत्र बनाए जाने का उल्लेख है। कुआं बनाए जाने का उल्लेख है। वर्तमान में यह सभी ताजमहल में स्थित हैं। बाबरनामा में लिखा है कि बाबर को मरने के बाद आरामबाग में दफनाया गया था। जो ताज-ए-महल के विपरीत दिशा में स्थित है। हुमायूंनामा में भी ताज का उल्लेख आता है।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के महानिदेशक माधोस्वरूप वत्स ने वर्ष 1946 के एनशीएंट इंडिया के बुलेटिन में ताजमहल से संबंधित तथ्यों का वर्णन किया है। जिसमें कहा है कि ताजमहल के शिल्पकार कौन है, यह विवादित तथ्य है। वर्ष 1905 के आगरा गजेटियर में भी यह कहा गया है कि ताजमहल के शिल्पकार कौन है, यह विवादित तथ्य है। वर्ष 1910 के एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल के जर्नल में भी ताजमहल के निर्माण का तथ्य विवादित बताया गया है। अधिवक्ता अजय प्रताप सिंह ने बताया कि वाद में ताजमहल को तेजो महालय मंदिर बताया है। शिव सहस्त्र नाम स्रोत में तेजो नाम भोलेनाथ का है। संस्कृत में महालय का अर्थ मंदिर होता है। विश्वकर्मा प्रकाश में भी तेजोलिंग निर्माण का वर्णन है। वर्ष 1194 के राजा परमारदेव चंदेल बटेश्वर शिलालेख में भी एक फिटकरी के समान शिव मंदिर के निर्माण का उल्लेख है। ताजमहल के पश्चिमी ओर यमुना किनारे प्राचीन सिद्धेश्वर महादेव मंदिर है। जो एक स्वयंभू शिवलिंग है और लाल रंग का है। ठीक उसी से सटा एक कुआं है, जिससे होकर पानी ताजमहल तक जाता था। तेजोलिंग एक स्वयंभू शिवलिंग है जिसका अस्तित्व आदिकाल से है जिस पर मंदिर का निर्माण राजा परमाल देव चंदेल ने वर्ष 1194 में पूरा किया था। जिसका नाम मूल नाम तेजो महालय था जिसका अपभ्रंश ताजमहल है। जिस कारण भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग ने आज तक वैज्ञानिक विधि से ताजमहल के भवन की आयु गणना नहीं की।

भारतीय तेजी की धार की परीक्षा केपटाउन में : डोनाल्ड

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अगले टेस्ट में न्यूलैंड्स में बल्लेबाजों के मुफीद पिच पर दिखानी रचनात्मकता

महान क्रिकेटर एलेन डोनाल्ड का मानना है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरूआती टेस्ट के दौरान गेंदबाजी के लिए अच्छी पिच पर भारतीय तेज गेंदबाज संयमित नहीं थे और न्यूलैंड्स में बल्लेबाजों के मुफीद पिच पर उन्हें इसकी काफी ज्यादा जरूरत होगी जिस पर स्पिनरों की भूमिका नहीं के बराबर होगी। भारत को सेंचुरियन की पिच पर पहले टेस्ट में पारी और 32 रन से हार का सामना करना पड़ा जिस पर तेज उछाल और काफी लेटरल मूवमेंट था। अपनी पीढ़ी के खतरनाक तेज गेंदबाजों में शुमार डोनाल्ड ने पीटीआई से कहा, मैं जानता हूं कि दक्षिण अफ्रीका ने शायद परिस्थितियों को बेहतर तरीके से पढ़ा, इसमें कोई शक नहीं है। उन्होंने गेंद पांच या 5.5 मीटर तक पिच की और पिच को अपना काम करने दिया। लेकिन उन्होंने एक चीज भारत से बेहतर की, वे इस चीज में काफी संयमित रहे और उन्होंने दूसरी पारी में शॉर्ट गेंद का थोड़ा अधिक इस्तेमाल किया। डोनाल्ड ने महज 72 टेस्ट में 330 विकेट चटकाए हैं और उन्हें लगता है कि भारतीय गेंदबाज चीजें होने का इंतजार कर रहे थे। भारत के लिए एक खिलाड़ी (प्रसिद्ध कृष्णा) ने पदार्पण किया था। मुझे लगा कि (जसप्रीत) बुमराह, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने काफी ज्यादा चीजें होने दीं। वे काफी जल्दी शॉर्ट गेंद डालने लगे और फिर अपनी लेंथ गंवा बैठे जिससे दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों ने फायदा उठाया। केपटाउन में काफी मुश्किल होगी, दोनों टीमें काफी ऊर्जा से भरी होगी। केपटाउन में दोनों टीमों के आक्रमण की परीक्षा होगी। केपटाउन की पिच सेंचुरियन से ज्यादा मुश्किल कैसे होगी? इस पर उन्होंने कहा, आपको केपटाउन में ज्यादा रचनात्मक होना होगा क्योंकि विकेट काफी ज्यादा सपाट है और भागीदारियां बढ़ेंगी जिससे यह काफी मुश्किल टेस्ट होगा। डोनाल्ड ने कहा कि अगर भारत को बराबरी हासिल करने का मौका तलाशना है तो उन्हें नई गेंद का समझदारी से इस्तेमाल करना होगा। उन्होंने कहा, सबसे ज्यादा जोर नई गेंद पर होगा क्योंकि पारंपरिक रूप से अगर न्यूलैंड्स में दक्षिण पश्चिम की हवा बहेगी तो इससे पिच सूख जाएगी। मुझे नहीं लगता कि पिच टर्न होगी। और यह आकलन भारत के अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन के लिए अच्छी खबर नहीं है जिनके बेंच पर रहने की उम्मीद है। डोनाल्ड ने कहा, हो सकता है बाद में स्पिनरों के लिए पिच थोड़ी मददगार हो जाए लेकिन ऐसा नहीं होने वाला। भारत स्पिनरों को नहीं उतारेगा। लेकिन पहली पारी की गेंदबाजी से आपको फायदा मिल सकता है। अगर आप नई गेंद को थोड़ा ज्यादा पिच करें और पहले 25 से 30 ओवर तक स्विंग करने की कोशिश करें तो ऐसा हो सकता है।

बहुत आक्रमक खेल रहे हैं गिल : गावस्कर

नई दिल्ली। महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने शुभमन गिल से टेस्ट क्रिकेट में बल्लेबाजी करते हुए अपनी आक्रमकता पर लगाम लगाने की बात कही। गिल सेचुरियन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में अच्छा प्रदर्शन करने में विफल रहे थे जिसमें भारत को पारी और 32 रन से करारी हार मिली थी। गिल ने सुपरस्पोर्ट पार्क में दो और 26 रन बनाए थे जिसमें वह पहली पारी में तेज गेंदबाज नांद्रे बर्गर और दूसरी पारी में मार्को यानसेन का शिकार हो गए थे। गावस्कर ने गिल से सफेद गेंद की तुलना में टेस्ट क्रिकेट की जरूरतों को ध्यान में रखने की सलाह दी। गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा, मुझे लगता है कि वह टेस्ट क्रिकेट में कुछ ज्यादा ही आक्रमकता से खेल रहा है। जब आप टेस्ट क्रिकेट में खेलते हो तो टी20 अंतरराष्ट्रीय और वनडे की तुलना में इसमें थोड़ा अंतर होता है। लाल गेंद हवा में और पिच के बाहर भी सफेद गेंद की तुलना में कुछ ज्यादा ही घूमती है। यह थोड़ा अधिक उछाल लेती है। उसे यह ध्यान में रखना चाहिए। गिल ने सीमित ओवर के प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन वह 2023 में खेल के पारंपरिक प्रारूप में 10 पारियों में एक ही 50 रन से ज्यादा का स्कोर और मार्च में आस्ट्रेलिया के खिलाफ एक शतक ही जड़ पाए है। गावस्कर ने उम्मीद जताई कि गिल जल्द ही लय हासिल कर लेंगे। , गिल ने अपने करियर की शुरुआत बहुत अच्छी तरह की थी और हमने उनके शॉट्स की प्रशंसा थी। हम केएल उनकी फॉर्म में वापसी की उम्मीद कर सकते है। उम्मीद है कि वह कड़ी ट्रेनिंग करेंगे और भविष्य में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। भारत केपटाउन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन जनवरी से शुरू होने वाले दूसरे और अंतिम टेस्ट में श्रृंखला बराबर करने का लक्ष्य बनाए होगा।

हुसैन को 2024 में पंत की सफल वापसी की उम्मीद

दुबई। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन को 2024 में भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की सफल वापसी की उम्मीद है जो एक साल पहले हुई कार दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे और इससे उबर रहे है। पंत के अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले क्रिकेट में वापसी की उम्मीद है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने हुसैन के हवाले से कहा, वो बहुत गंभीर दुर्घटना थी। पूरी दुनिया की सांसे थम गई थी और उनकी उबरने की प्रक्रिया भी धीमी रही। सोशल मीडिया पर उनके उबरने के बाद शुरूआती कदम और फिर जिम में ट्रेनिंग करते हुए और क्रिकेट खेलते हुए तथा रिकी पोंटिंग के साथ उनकी फोटो देखी। मै एशेज में रिकी के साथ था और रिकी ने बताया था कि उसकी प्रगति कैसी चल रही है। वह बॉक्स ऑफिस (हिट) क्रिकेटर है। पंत की अनुपस्थिति में केएल राहुल ने उनकी जगह ली और हाल के वनडे विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन किया जिसमें उन्होंने 75.33 के औसत से 452 रन बनाए। भारत ने उसके (पंत) बिना अच्छा प्रदर्शन किया क्योंकि केएल उनकी जगह आए और सभी प्रारूपों में वह बेहतरीन रहे। भारत भाग्यशाली है कि उसके पास ए दोनो खिलाड़ी है लेकिन पंत घायल होने से पहले बॉक्स ऑफिस था और उम्मीद है कि चोट के बाद भी वह ऐसा ही रहेगा। हुसैन ने युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल के टेस्ट क्रिकेट में फॉर्म में वापसी की उम्मीद जताई। उन्होंने कहा, उसके (गिल) लिए 2023 का तीन तिमाही प्रदर्शन अच्छा रहा। दूसरे छोर पर रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ी के साथ बल्लेबाजी करते हुए उसने काफी कुछ सीखा होगा। वह काफी प्रतिभाशाली है और आने वाले वर्षों में भारत का शानदार खिलाड़ी होगा इसलिए उम्मीद करते है कि 2024 उसके लिए अच्छा साल रहेगा।

एशियाई कप से पहले झिंगन ने कहा, हम सभी का सम्मान करते हैं लेकिन डरते नहीं

भारत को भले ही आगामी एशियाई कप में आस्ट्रेलिया जैसी मजबूत और ऊंची रैंकिंग टीम के खिलाफ रखा गया है लेकिन टीम के स्टार डिफेंडर संदेश झिंगन ने रविवार को कहा कि वे सभी का सम्मान करते हैं लेकिन किसी से भयभीत नहीं होते। भारत को 13 जनवरी से शुरू होने वाले एशियाई कप के ग्रुप चरण में महाद्वीप की मजबूत और विश्व कप की नियमित टीम आस्ट्रेलिया, मजबूत मध्य एशियाई टीम उज्बेकिस्तान और मजबूत सीरिया के साथ रखा गया है। ए सभी फीफा रैंकिंग में भारत से ऊपर हैं। कोच इगोर स्टिमक के मुख्य खिलाड़ियों में से एक झिंगन ने यहां हवाईअड्डे पर पहुंचने पर कहा, एशियाई कप में कोई भी ग्रुप आसान नहीं है। निश्चित रूप से हमारे सामने आस्ट्रेलिया है और वह किसी परिचय का मोहताज नहीं है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में हमने जो चीज सीखी है, वो है कि हमें किसी भी प्रतिद्वंद्वी से कभी भी भयभीत नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, आप जो करते हो, उस पर भरोसा रखो, अपनी टीम पर भरोसा रखो और इस टीम के लिए कोई सीमा नहीं है। हमें विनम्र बने रहना चाहिए, सुधार करते रहना चाहिए और उम्मीद है कि हम कुछ विशेष करेंगे।हमाद अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर खिलाड़ियों का एक सौ से ज्यादा भारतीय खेल प्रेमियों ने स्वागत किया। भारत एएफसी एशियाई कप में पांचवीं बार हिस्सा ले रहा है लेकिन 1964 (राउंड रॉबिन प्रारूप में खेला गया) में उप विजेता बनने के बाद वह कभी भी ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ पाया है।

अनहत ने स्कॉटिश जूनियर ओपन स्क्वाश में अंडर-19 बालिका खिताब जीता

नई दिल्ली।भारत की प्रतिभाशाली युवा अनहत सिह ने शानदार प्रदर्शन की बदौलत एडिनबर्ग में हुए 2023 स्कॉटिश जूनियर ओपन स्क्वाश में बालिका अंडर-19 खिताब अपने नाम किया। अनहत ने शनिवार को फाइनल में घरेलू प्रबल दावेदार रोबिन मैकअल्पाइन पर 11-6, 11-1, 11-5 से जीत हासिल की। दिल्ली की इस खिलाड़ी के लिए यह शानदार वर्ष रहा जिसमें उन्होंने अंडर-19 और सीनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप का दोहरा खिताब जीता तथा एशियाई खेलों और शुरूआती एशियाई मिश्रित युगल चैम्पियनशिप दोनों में अभय सिंह के साथ मिश्रित युगल में कांस्य पदक जीता। भारत के सुभाशीष चौधरी ने लड़कों के अंडर-15 फाइनल में हमवतन शिवेन अग्रवाल को 5-11, 11-4, 6-11, 11-8, 11-5 से मात दी जबकि श्रेष्ठ अय्यर ने लड़कों के अंडर-13 फाइनल में श्रेयांश जाह को 11-8, 11-8, 3-11, 11-8 से पराजित किया। शीर्ष वरीय भारतीय आद्या बुधिया ने बालिका अंडर-13 फाइनल और शीर्ष वरीय प्रभव बजोरिया ने लड़कों के अंडर-11 फाइनल में जीत हासिल की। दिव्यांशी जैन अंडर-11 वर्ग में उप विजेता रहीं।

जम्मू-कश्मरी में सेना को दिए जाएंगे पचास आर्मडो वाहन

आतंकवाद से लड़ने के लिए भारतीय सेना को करीब 50 और उन्नत सशस्त्र वाहन (आर्मडो) दिए जाएंगे। आधिकारिक सूत्रों ने कहा, नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास राजौरी और पुंछ जिलों में सेना के वाहनों पर हाल के हमलों के मद्देनजर, लगभग 50 और उन्नत बुलेट-प्रूफ वाहनों को मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा कि उन्नत सशस्त्र वाहनों के आने से सैनिकों को जंगल में छिपे आतंकवादियों को खत्म करने में मदद मिलेगी। सूत्रों ने कहा, राजौरी और पुंछ के सीमावर्ती जिलों में उन्नत बुलेट-प्रूफ आर्माडो वाहनों की संख्या में वृद्धि के साथ, सेना अब और अधिक मजबूत हो जाएगी। उन्होंने कहा कि बुलेट-प्रूफ लाइट स्पेशलिस्ट वाहन (एएलएसवी) विशेष रूप से भारतीय सशस्त्र बलों के लिए डिजाइन किया गया। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में राजौरी और पुंछ जिलों में आतंकवादी हमलों में वृद्धि हुई है। इस कारण से, दोनों जिलों में रक्षा और प्रशासनिक मशीनरी पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। उन्होंने कहा, उम्मीद है कि जल्द ही राजौरी और पुंछ जिलों में ऐसे और वाहन पेश किए जाएंगे। सैनिक सीमावर्ती जिलों के जंगली इलाकों में यात्रा करते समय इन उन्नत बुलेट-प्रूफ सशस्त्र वाहनों का उपयोग कर रहे हैं, इसलिए हमलों के दौरान क्षति न्यूनतम है।

टीएमसी के स्थापना दिवस पर ममता ने भरी हुंकार

किसी भी बुरी ताकत के आगे नहीं झुकेंगे

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी ने सोमवार को पार्टी का स्थापना दिवस मनाया। उन्होंने देश के आम लोगों के लिए अपनी लड़ाई जारी रखने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा, 'यह आपके अटूट समर्थन के बल पर हम इस महान लोकतांत्रिक देश में सभी के लिए आवाज उठाते रहेंगे।

किसी भी बुरी ताकत के सामने झुकेंगे नहीं।' इस मौके पर उन्होंने अपने संबोधन में टीएमसी के कार्यकर्ताओं को बधाई दी। साथ ही पार्टी कार्यकर्ताओं से बुरी ताकतों का विरोध करने को कहा। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि वह पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता और समर्थक के समर्पण और आत्म-बलिदान का विनम्रतापूर्वक सम्मान करती हैं। आज, टीएमसी परिवार को सभी के प्यार और स्नेह का आशीर्वाद मिला है। उन्होंने कहा कि आपने हम पर जो अटूट विश्वास जताया है और हमें वर्षों तक लगन से

टीएमसी परिवार को सभी के प्यार व स्नेह का मिला आशीर्वाद
: ममता बनर्जी

आपकी सेवा करने के लिए सशक्त बनाया है, उसके लिए आपके प्रति हमारी हार्दिक कृतज्ञता है।

तीसरी बार बनी हैं मुख्यमंत्री

गौरतलब है, वर्ष 1998 में कांग्रेस से अलग होकर ममता बनर्जी ने टीएमसी का गठन किया। पार्टी 2001 और 2006 में दो असफल प्रयासों के बाद 2011 में वाम मोर्चा सरकार को हराकर सत्ता में आई। पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक प्रमुख शख्सियत बनर्जी ने 2021 के विधानसभा चुनाव में टीएमसी को शानदार जीत दिलाई और लगातार तीसरी बार मुख्यमंत्री बनीं।

एक जनवरी, 1998 में हुआ टीएमसी का गठन

गौरतलब है कि साल 1998 में आज ही के दिन यानी एक जनवरी को ममता बनर्जी ने कांग्रेस छोड़कर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का गठन किया था। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी ने मातृभूमि का सम्मान करने, राज्य के हितों के लिए कार्य करने और जनता के लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए दृढ़ विश्वास की अभिव्यक्ति के रूप में टीएमसी के गठन का महत्व रेखांकित किया।

झामुमो विधायक ने विस की सदस्यता से इस्तीफा दिया

झारखंड में तेजी से बदलते राजनीतिक घटनाक्रम में गांडेय से झारखंड मुक्ति मोर्चा के विधायक डॉ. सरफराज अहमद ने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्रनाथ महतो ने अहमद का इस्तीफा 31 दिसम्बर की तिथि से स्वीकार कर लिया है विधानसभा से इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गई है। अधिसूचना के अनुसार अब गाडंये की सीट रिक्त हो गई है। अहमद झारखंड विधानसभा के वरिष्ठतम विधायक थे और वह पहली बार 1980 में अविभाजित बिहार में बिहार विधानसभा के सदस्य बने थे। वर्ष 1984 में कांग्रेस के टिकट पर अहमद गिरिडीह से लोकसभा के लिए भी चुने गए थे। अहमद अविभाजित बिहार में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष भी रहे थे।

अध्यक्ष ने सरफराज का इस्तीफा स्वीकार किया

सभी धर्मों का सम्मान करती है राजद

पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के आवास के सामने विधायक फतेह बहादुर सिंह के एक पोस्टर को लेकर उपजे विवाद के बाद राजद के राज्यसभा सांसद मनोज झा को सफाई देने के लिए सामने आना पड़ा। उन्होंने कहा कि राजद सभी धर्मों का सम्मान करती है। पटना में सोमवार को एक प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि पिछले एक हफ्ते से पूरे देश में सिर्फ महागठबंधन की सरकार गिराई जा रही थी, लेकिन, इन सब पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव ने विराम लगाया। अब एक पोस्टर को लेकर बात शुरू की गई है। राजद हर जाति

पोस्टर विवाद के बाद सामने आए राजद सांसद मनोज झा

हम धर्म को दिल में रखते हैं
: मनोज झा

और धर्म का सम्मान करती रही है। सावित्री बाई फुले ने जो मंदिर के संदर्भ में कहा, उनके विचारों को लेकर डेहरी विधायक ने कहा है।

उस बयान को मंदिर से जोड़ा गया। उन्होंने कहा कि वंचित-शोषित समाज से आने वाले विधायक ने सावित्री बाई फुले के विचारों को उद्धृत किया था। हम धर्म को दिल में रखते हैं। मेरी आस्था मेरी निजी चीज है, इसके अशोभनीय सार्वजनिक प्रदर्शन से भगवान भी व्यथित होंगे। 22 जनवरी की प्राण प्रतिष्ठा के बाद मर्यादा पुरुषोत्तम खुद धरती पर आएं तो प्रधानमंत्री मोदी से सवाल पूछेंगे। वह पूछेंगे कि मेरे युवाओं के लिए रोजगार कहां है और देश में इतनी महंगाई क्यों है। उल्लेखनीय है कि राजद के विधायक फतेह बहादुर ने पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के आवास के बाहर एक पोस्टर लगाया है, जिसमें विधायक ने सावित्रीबाई फुले की बातों को दोहराते हुए फिर से सनातन पर तंज कसा है। उन्होंने पोस्टर में लिखा है कि मंदिर का मतलब मानसिक गुलामी का मार्ग और स्कूल का मतलब होता है जीवन में प्रकाश का मार्ग।

इसके बाद जदयू के प्रवक्ता नीरज कुमार ने राजद विधायक को नसीहत दी तथा इसे लेकर भाजपा ने आक्रामक होकर राजद को निशाने पर ले लिया।

बीजद ने पूर्व मंत्री दामोदर राउत का निष्कासन रद्द किया

बीजू जनता दल (बीजद) के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने रविवार को अनुभवी नेता और पूर्व मंत्री दामोदर राउत का निष्कासन आदेश रद्द कर दिया। आदेश में कहा गया है, दामोदर राउत का निष्कासन आदेश तत्काल प्रभाव से रद्द किया जाता है। पार्टी के अन्य नेताओं के खिलाफ और नवीन सरकार में भ्रष्टाचार के मुद्दों पर विवादास्पद टिप्पणियों के बाद, 12 सितम्बर, 2018 को राउत को निष्कासित कर दिया गया था। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, उनके बेटे और पारादीप से बीजद विधायक संबित राउत्रे ने निरस्तीकरण आदेश के लिए पार्टी सुप्रीमो को धन्यवाद दिया। संबित ने साफ किया कि उन्होंने करीब दो साल पहले 5टी के चेयरमैन वीके पांडियन से निष्कासन आदेश रद्द करने का अनुरोध किया था। राउत्रे ने भावुक होते हुए कहा, एक कमजोर क्षण में, उन्होंने एक त्रुटिपूर्ण निर्णय लिया और मेरी आपत्तियों के बावजूद भाजपा में शामिल हो गए। लेकिन, वह ज्यादा दिनों तक उसमें नहीं रह सके और वापस लौट आए। अपनी वापसी के बाद से, वह बीजद और नवीन पटनायक के समर्थन में बोल रहे हैं।

मध्य प्रदेश में 1.39 करोड़ छात्रों को मिले जाति प्रमाण पत्र

मध्य प्रदेश में आम लोगों को जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराने में लोक सेवा केंद्र अहम भूमिका निभा रहे हैं। छात्र-छात्राओं को जाति प्रमाण पत्र प्रदान किए जाने के लिए चलाए जा रहे अभियान में अब तक 1.39 करोड़ सर्टिफिकेट दिए जा चुके हैं।

राज्य में नागरिक अधिकारों को सशक्त बनाने और लोक सेवा प्रदाय प्रणाली को प्रभावी एवं सरल बनाने के लिए सुशासन की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में लोक सेवा केंद्रों की स्थापना की गई है। जाति प्रमाण पत्र प्रदाय अभियान के तहत लोक सेवा केंद्रों ने प्रदेश के स्कूली छात्र-छात्राओं को जाति प्रमाण पत्र प्रदान करने के लिए अभियान चलाया है। अभियान के तहत अब तक लगभग 1 करोड़ 39 लाख डिजिटल हस्ताक्षरित रंगीन प्रमाण पत्र प्रदान किए जा चुके हैं। ज्ञात हो कि राज्य में नागरिकों को बेहतर लोक सेवा देने के मकसद से राज्य सरकार ने 'लोक सेवा प्रबंधन विभाग का अलग से गठन किया है। विभाग मुख्य-रूप से लोक सेवा प्रदाय गारंटी अधिनियम का क्रियान्वयन, लोक सेवा केंद्रों की स्थापना एवं संचालन, सीएम हेल्पलाइन कॉल सेंटर का संचालन के साथ 'सीएम डैशबोर्ड' का संचालन करता है। प्रदेश की सभी तहसीलों में लोक सेवा केंद्रों की स्थापना की गई है। इन केंद्रों के माध्यम से प्रदेश के नागरिकों को निश्चित समयावधि में विभागों की सेवाएं प्रदान करने के लिए कार्य किया जा रहा है। प्रदेश में पीपीपी मॉडल के अनुसार 432 लोक सेवा केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। इस सेवा का लाभ एक दिन में उपलब्ध कराने के मकसद से 'समाधान एक दिन तत्काल प्रदाय सेवा व्यवस्था भी संचालित की जा रही है।

जानकारी बैंक से बाहर नोटों का कुल मूल्य 9,330 करोड़ रह गया

2,000 रुपए के 97.38 फीसदी नोट वापस आ गए

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सोमवार को कहा कि 29 दिसंबर को कारोबार बंद होने पर बैंक से बाहर 2,000 रुपए के बैंक नोटों का कुल मूल्य घटकर 9,330 करोड़ रुपए रह गया। इस तरह 2000 रुपए के 97.38 प्रतिशत बैंक नोट अब बैंकों में वापस आ गए हैं। 19 मई, 2023 को कारोबार बंद होने पर प्रचलन में 2,000 रुपये के बैंक नोटों का कुल मूल्य 3.56 लाख करोड़ रुपए था, जब इसे बैंकों में जमा करने की घोषणा की गई थी। 2,000 रुपए के बैंक नोटों को बदलने

आरबीआई ने दी जानकारी

की सुविधा 19 मई, 2023 से रिजर्व बैंक के 19 दफ्तरों में अभी भी उपलब्ध है। 9 अक्टूबर, 2023 से, आरबीआई के कार्यालय भी व्यक्तियों/संस्थाओं से उनके बैंक खातों में जमा करने के लिए 2,000 रुपए के बैंक नोट स्वीकार कर रहे हैं। इसके अलावा, आरबीआई के बयान के

अनुसार, देश के अंदर जनता अपने बैंक खातों में क्रेडिट के लिए किसी भी डाकघर से आरबीआई के किसी भी कार्यालय में इंडिया पोस्ट के माध्यम से 2,000 रूपए के नोट भेज रही है। 2,000 रुपए के बैंक नोट वैध मुद्रा बने रहेंगे।

एआई के उपयोग के जोखिमों से किया आगाह

आरबीआई के डिप्टी गवर्नर एम. राजेश्वर राव ने सोमवार को कहा कि बैंकिंग क्षेत्र में एआई की तैनाती से होने वाले जोखिमों को लेकर मानव पर्यवेक्षण की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि एआई पर कुछ चिंताएं डिजाइन को लेकर हैं, जबकि कुछ अन्य अधिक डेटा गोपनीयता, साइबर सुरक्षा, उपभोक्ता संरक्षण और वित्तीय स्थिरता को संरक्षित करने को लेकर है। उन्होंने कहा कि इन मुद्दों को तीन व्यापक श्रेणियों - डेटा बायस और मजबूती, गवर्नेंस और पारदर्शिता में रखा जा सकता है। जैसे-जैसे एआई का चलन बढ़ रहा है, इसके उपयोग को निर्देशित करने में मदद करने के लिए नियामक ढांचे को विकसित करने के वैश्विक प्रयास भी बढ़ रहे हैं और इस प्रक्रिया में अधिक सहयोग की आवश्यकता होगी। राव ने इंडियन इकोनोमिक एसोसिएशन के वार्षिक सम्मेलन में कहा, हमारा सामूहिक प्रयास इस विकास को सावधानी और जिम्मेदारी के साथ अपनाने का होना चाहिए।

30 फीट गहरे बोरवेल से निकाली गई बच्ची ने तोड़ा दम, डॉक्टर ने कहा- ऑक्सीजन की कमी के कारण हुई मौत

गुजरात के द्वारका जिले में स्थित रण गांव में उस वक्त अफरा-तफरी तब मच गई जब ढाई साल की बच्ची खेलते-खेलते 30 फीट गहरे बोरवेल में जा गिरी, लेकिन भारतीय सेना के जवानों और एनडीआरएफ दल के लोगों ने बड़ी मशक्कत के बाद आखिरकार बच्ची को बाहर निकाल लिया। हालांकि, डॉक्टर का कहना है कि ऑक्सीजन की कमी के कारण बच्ची ने दम तोड़ दिया। डिप्टी कलेक्टर एचबी भगोरा ने बताया कि रण गांव में दोपहर एक बजे खेलते समय बच्ची बोरवेल में जा गिरी थी। इस दौरान स्थानीय पुलिस की टीम और अग्निशमन कर्मियों की बचाव टीमें मौजूद थी। घटनास्थल पर एक एम्बुलेंस को एक्शन मोड पर रखा गया था। पीएम रिपोर्ट के बाद साफ होगा मौत का कारण

खंभालिया जनरल अस्पताल के आरएमओ केतन भारती ने बताया कि लड़की को रात करीब 10.15 बजे यहां लाया गया था। वह मृत थी। उसे पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाई थी, जिस वजह से उसकी मौत हुई थी। हालांकि, असली कारण तो अब पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही साफ होगा। बच्ची को अस्पताल में कराया गया भर्ती एनडीआरएफ बटालियन वडोदरा के सहायक कमांडेंट प्रवीण कुमार ने कहा कि सेना, नागरिक सुरक्षा, नागरिक पुलिस, फायर ब्रिगेड और एनडीआरएफ ने मिलकर बोरवेल में गिरी लड़की को बचाने के लिए काम किया। बच्ची को सिविल अस्पताल भेजा गया है और वह बेहोशी की हालत में है, डॉक्टर बच्ची का इलाज कर रहे हैं। ग्रीन कॉरिडोर के जरिए अस्पताल पहुंचाया- नितेश पांडे

द्वारका के एसपी नितेश पांडे ने कहा कि दोपहर एक बजे हमें सूचना मिली कि कल्याणपुर तहसील के रण गांव में एक बच्ची बोरवेल में गिर गई है। स्थानीय प्रशासन की टीम तुरंत मौके पर पहुंची थी। संयुक्त प्रयासों से बच्ची को आठ घंटे के बाद बचाया गया है। हमने बच्ची को ग्रीन कॉरिडोर के जरिए अस्पताल पहुंचाया हैं, एम्बुलेंस की सुचारू आवाजाही के लिए बनाया गया था। कैसे गिरी बच्ची बोरवेल में? गौरतलब है कि दोपहर एक बजे बच्ची खेलते-खेलते खुले बोरवेल के पास जा पहुंची। इस दौरान धीरे-धीरे वह बोरवेल के होल के पास जा पहुंची और अचानक वह 30 फीट गहरे बोरवेल में जा गिरी। जिसके बाद से क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इस दौरान तमाम पुलिस अधिकारी घटना स्थल पर जा पहुंचे। यह हादसा गुजरात के द्वारका जिले में स्थित रण गांव में हुआ था।

असुरक्षा का माहौल बच्चों में खेलने की क्षमता को कर सकता है सीमित, प्रदूषित वातावरण विकास में बाधा

वायु और ध्वनि प्रदूषण, भीड़भाड़ तथा सीमित हरियाली वाली जगह जीवन के शुरुआती दौर में बच्चों के सामग्र विकास पर विपरीत असर डाल रही हैं। ऑस्ट्रेलिया में सिडनी के यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी की अगुवाई में किए अध्ययन में 41 देशों के 235 शोधों का विश्लेषण किया गया है, जिसमें बचपन में विकास को प्रभावित करने वाले पर्यावरणीय खतरों के प्रमुख पहलुओं पर प्रकाश डाला गया है। शोधकर्ताओं ने पब्लिक हेल्थ रिसर्च एंड प्रैक्टिस जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में कहा कि बच्चों के विकास के लिए महत्वपूर्ण अन्य खतरों में वातावरण, रासायनिक और धातु संबंधित खतरे, पड़ोस में निर्मित माहौल, सामुदायिक समर्थन, आवास और रहने का वातावरण शामिल है। शोध के अनुसार जीवन के पहले 2000 दिन या शून्य से पांच वर्ष के बाद के जीवन को शारीरिक, ज्ञान संबंधी, सामाजिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर असर डालने वाली एक महत्वपूर्ण अवधि के रूप में पहचाना जाता है। अध्ययन में शहरी जीवन से संबंधित जिन चिंताओं की सबसे अधिक जांच की गई उनमें से एक वायु प्रदूषण था।

तेज तर्रार शहरी जीवन भी विकास में बाधक शोधकर्ताओं के अनुसार शहरी जीवन की तेज तर्रार प्रकृति अक्सर माता-पिता और देखभाल करने वालों को बच्चों की परवरिश के लिए पर्याप्त समय उपलब्ध नहीं करा पाती है। इसकी वजह से समग्र रूप से स्वस्थ शिशु विकास के लिए महत्वपूर्ण चीजों का अभाव उनके भविष्य के लिए नुकसानदायक है।

सुरक्षित स्थानों की कमी सामाजिक विकास में बाधक सुरक्षा संबंधी चिंताएं, बच्चों की खोज करने और स्वतंत्र रूप से खेलने की क्षमता को सीमित कर सकती हैं, जिससे उनकी स्वतंत्रता और सामाजिक विकास की भावना प्रभावित होती है। शहरीकरण डिजिटल निर्भरता को बढ़ाता है, जिससे अत्यधिक स्क्रीन समय और आमने-सामने की बातचीत कम हो जाती है। यह स्थिति बच्चों के संचार कौशल और भावनात्मक बुद्धिमत्ता को प्रभावित करती है। प्रमुख शोधकर्ता एरिका मैकइंटायर के अनुसार शहरी योजनाकारों और नीति निर्माताओं को उस भूमिका को पहचानने की जरूरत है जो रोजमर्रा के शहरी वातावरण स्वास्थ्य और कल्याण की दिशा में बच्चों के अनुकूल हो। इसके तहत अधिक हरियाली वाली जगहों की वकालत करना, शोर और प्रदूषण कम करने के उपाय शामिल हैं।

इसके अलावा बच्चों के पैदल चलने योग्य जगहों का विकास करना जो शारीरिक गतिविधि को प्रोत्साहित करती हैं, ऐसे कुछ उपाय हैं जो बच्चों के स्वस्थ विकास के लिए अनुकूल वातावरण बनाने में मदद करते हैं। पेरेंटिंग कक्षाएं, प्लेग्रुप और सामुदायिक केंद्र प्रदान करने वाले कार्यक्रम पेरेंटिंग की चुनौतियों से निपटने में बढ़ावा दे सकते हैं।

'अधूरे मंदिर में स्थापना करना गलत', राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा पर बोले महाराष्ट्र कांग्रेस चीफ नाना पटोले

उल्लंघन करने पर 1,000 रुपए का फाइन था जो फाइन अब बढ़ा दिया गया है जबकि सजा भी दुगनी कर दी गई है. नाना पटोले ने कहा कि कांग्रेस इस कानून का विरोध कर रही है. क्या नीतीश बनेंगे संयोजक? क्या बिहार के सीएम नीतीश कुमार इंडिया गठबंधन के संयोजक बनाए जाएंगे? इस सवाल पर नाना पटोले ने कहा, ''ऐसा हो सकता है. उच्च स्तरीय बैठक चल रही है. जो निर्णय लिया जाएगा उसका समर्थन किया जाएगा. कुछ भी हो सकता है.'' वहीं, दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के बयान पर नाना पटोले ने कहा, ''गारंटी का किसी ने कॉपीराइट नहीं लिया है. जो किया जा सकता है लोगों के बीच में वही गारंटी होती है. लेकिन वादे करना फिर झूमलेबाजी करना यह अपमान है. हमने जो गारंटी दी वह हम पूरी कर रहे हैं.'' महाराष्ट्र के प्रोजेक्ट गुजरात जाने पर यह बोले पटोले बीते साल कई बड़े प्रोजेक्ट महाराष्ट्र से गुजरात चले गए थे, इसको लेकर विपक्ष ने महाराष्ट्र सरकार पर निशाना साधा था. इस पर नाना पटोले ने भी सीएम एकनाथ शिंदे पर हमला करते हुए कहा, ''खोखे की सरकार आने के बाद मुख्यमंत्री और उपमुख्यंत्री ने बुलेट ट्रेन के प्रोजेक्ट में 75% पैसा भरा था और गुजरात इसमें 25% भरेगी. दिल्ली में बैठे दो आका हैं उनके कहने पर सब चीजें होती हैं. डायमंड उद्योग यहां से नहीं गया है. ये झूठ बोल रहे हैं. राज्य के सीएम और डीसीएम भी झूठ बोलने का काम कर रहे हैं.''

उद्धव गुट और कांग्रेस के बाद सीट शेयरिंग पर आया NCP का बयान

(ठाकरे समूह) और एनसीपी (शरद पवार समूह) तीन प्रमुख दल हैं. वंचित बहुजन अघाड़ी भविष्य में महा विकास अघाड़ी में भाग ले सकती है. लेकिन, अभी तक इस पर फैसला नहीं हुआ है. जयंत पाटिल की भी आई प्रतिक्रिया इस बीच शरद पवार गुट के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल ने भी इस पर टिप्पणी की है. पाटिल ने कहा, अगले एक-दो दिन में सीट बंटवारे की तस्वीर साफ हो जाएगी. दिल्ली में तीनों पार्टियों के वरिष्ठ पदाधिकारियों की बैठक हुई है. मैंने सुना है कि दिल्ली में कांग्रेस पार्टी के अंदर कुछ बैठकें हुई हैं. मुझे उम्मीद है कि तीनों दल एक बार फिर साथ बैठेंगे और इस सप्ताह के भीतर सब कुछ तय हो जाएगा.

पृष्ठ 1/8 का शेष

घर हो तो ऐसा

पार कब्जा करने के के कुछ दिन तक गुंडे किस्म के लोगो को बैठाया जाता है जिस के चलते उनसे कोई भी पंगा नहीं लेना चाहता है.इसी तरह से कोई बिल्डर को अगर जमीन पार कब्जा करना है तो यही गुर्गो का इस्तेमाल करते है.उल्लेखनीय है की लेदर को मुंबई एस आय टी ने दो वर्ष पूर्व रंगदारी के जुर्म मे गिरफ्तार किया था तब से लेकर आजतक उसे बेल नहीं मिली है. सूत्रों की मैने तो महादेव ऐप के जरिये बिल्डर को फंडिंग करने मे लेदर का हाथ है क्या? एस आय टी इस एंगल से भी जांच कर सकती है क्योकि मामला छोटा शकील और दाऊद से जुड़ा हुआ है. गांडा का खास मित्र है उसके भी कनेक्शन अंडरवल्ड से है लेदर के साथ रंगदारी मे गांडा को भी गिरफ्तार किया गया है.मीरा भायंदर मे आज भी मौक़े की जमीन और बिल्डर के लिए वसूली और सरकारी जमीन पर कब्जा करने का काम बे- रोकटोक किया जा रहा है.बाकायदा झुगी झोपडी बनाकर बंगलियों को भाडे से दिया जा रहा है ताकि एक ओर सरकारी जमीन पर कब्जा बरकरार रहे और फिर झोपड़ो का लाखों रूपये का किराया भी मिलता रहे. उसी जगह पर जुआ क्लब भी चलाया जा रहा है जिस से रोजाना लाखो रु की कमाई की जा रही है.कुल मिलाकर शहर मे घर हो तो ऐसा जमीन पर कब्जा करू कैसा कुछ इस रननीति पर बिल्डर और लेदर के गुर्गे कर रहे है.(भाग 1 क्रमशः कल के अखबार मे पड़े तिवारी, बटला,किस बिल्डर के लिए कर रहे है जमीन पर कब्जा कौन है लेदर के शूटर)

12 जनवरी को महाराष्ट्र दौरे पर

पुल के उद्घाटन के बाद यात्रा में केवल 15-20 का समय लगेगा जिसमें अभी दो घंटे का समय लगता है. सीएम शिंदे ने दी ये अहम जानकारी शिंदे ने पत्रकारों से कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 12 जनवरी को एमटीएचएल का उद्घाटन करेंगे. इस पुल से इससे जुड़े क्षेत्रों में आर्थिक विकास संभव हो सकेगा.'' अधिकारियों के अनुसार, एमटीएचएल मुख्य मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे से जुड़ेगा जो राज्य के दो सबसे बड़े शहरों को जोड़ता है. छह लेन वाले इस पुल का 16.5 किलोमीटर लंबा हिस्सा समुद्र के ऊपर है, जबकि 5.5 किलोमीटर हिस्सा जमीन पर है.

क्या है मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक? मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक (एमटीएचएल) में छह लेन होंगे. ये 21.8 किमी लंबा होगा. ये पुल भारत का सबसे लंबा समुद्री पुल है. पुल का नवी मुंबई छोर पर राष्ट्रीय राजमार्ग 4बी पर सेवरी, शिवाजी नगर, जस्सी और चिरले में इंटरचेंज होगा. यह मुख्य मुंबई पुणे एक्सप्रेसवे से भी जुड़ेगा, जो राज्य के दो सबसे बड़े शहरों को जोड़ता है. पुल का निर्माण 2018 में शुरू हुआ था. हालांकि इसके 4.5 साल में जनता के लिए खुलने की उम्मीद थी, लेकिन कोविड-19 के प्रकोप के कारण इस परियोजना में आठ महीने की देरी हुई. पहले इस पुल का उद्घाटन 25 दिसंबर को होना था, लेकिन यह तय समय सीमा से चूक गया. विशेष रूप से, पुल ने पिछले एक पखवाड़े में आयोजित भार वहन क्षमता परीक्षणों को पास कर लिया है और वाहनों के आवागमन के लिए खोले जाने के लिए तैयार है.

अजित पवार समेत इन

2018 को कोरेगांव भीमा युद्ध की 200वीं वर्षगांठ पर हिंसा भड़क गयी थी जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गयी थी और कई अन्य घायल हो गए थे. जब उपमुख्यमंत्री पवार से पनडुब्बी परियोजनाओं के महाराष्ट्र से बाहर स्थानांतरित होने की खबरों के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि इस प्रकार की खबरों में कोई सच्चाई नहीं है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अपना विश्वास व्यक्त करते हुए, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा है कि पीएम मोदी का कोई विकल्प नहीं है क्योंकि उन्होंने काम किया और लोगों के लिए विभिन्न योजनाएं लाए. अजित पवार ने सोमवार को पुणे में भीमा कोरेगांव युद्ध की 206वीं वर्षगांठ के जश्न में मीडिया से बातचीत की. अजित पवार ने की पीएम मोदी की तारीफ ANI के मुताबिक, अजित पवार ने कहा, ₹2024 में, हमारे पास लोकसभा चुनाव हैं. हमने हाल ही में 5 राज्यों में चुनाव परिणाम देखे और उन परिणामों के लिए सभी एग्जिट पोल विफल रहे. अंततः लोग ही निर्णय लेते हैं. यदि हम राष्ट्रीय स्तर पर हैं, तो मुझे पीएम मोदी का कोई विकल्प नहीं दिखता है. उनके नेतृत्व में हमारे देश की पहचान दुनिया भर में हो रही है. इसके अलावा उन्होंने आम लोगों के लिए काम किया और लोगों के लिए कई योजनाएं लाए. वह सभी को न्याय दे रहे हैं और युवाओं को आगे ला रहे हैं.नए साल की दी शुभकामनाएं भीमा कोरेगांव युद्ध की 206वीं वर्षगांठ के जश्न में हिस्सा लेने के लिए बड़ी संख्या में बाबासाहेब अंबेडकर के अनुयायी पुणे जिले के कोरेगांव भीमा में विजय स्तंभ पर एकत्रित हुए. ₹सभी वरिष्ठ अधिकारी और मेरे सहयोगी विजय स्तंभ पर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए यहां आए हैं. हर साल इस दिन को मनाने के लिए यहां भारी भीड़ इकट्ठा होती है, इसलिए हमारी सरकार और प्रशासन ने कार्यक्रम को सुचारू रूप से चलाने के लिए सभी व्यवस्थाएं की हैं. आज नया साल भी शुरू हो रहा है, मैं सभी को शुभकामनाएं दे रहा हूं. ये नेता रहे मौजूद इसके अलावा विभिन्न परियोजनाओं के राज्य से बाहर जाने के विपक्ष के आरोपों के बारे में पूछे जाने पर डिप्टी सीएम ने कहा कि यह युवाओं के बीच भ्रम पैदा करने का प्रयास है. अजित पवार ने कहा, ₹यह विपक्ष द्वारा युवाओं के बीच भ्रम और गुस्सा पैदा करने के अलावा और कुछ नहीं है. कोई परियोजना बाहर नहीं गई है. हम सरकार चलाने में अच्छे अनुभवी हैं. हम किसी भी परियोजना को बाहर नहीं जाने देते हैं.₹ इस कार्यक्रम में अजित पवार, बहुजन वंचित अघाड़ी के अध्यक्ष प्रकाश अंबेडकर और अमोल कोल्हे (एनसीपी, शरद पवार गुट) उपस्थित थे.

भिवंडी मनपा द्वारा नए वर्ष में शुरू हुई स्वच्छता सर्वे क्षण 2024 की जोरदार तैयारी

सिटी न्यूज मुंबईभिवंडी मनपा प्रशासन नए वर्ष के शुभारंभ के साथ ही स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 की तैयारी में जुट गई है।आयुक्त अजय वैद्य के आदेश व नेतृत्व में मनपा के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने 1 जनवरी को सड़क पर उतर कर झाड़ू लगाकर सफाई अभियान का शुभारंभ किया।जिसके बाद सड़कों की धुलाई भी की गई।इस दौरान आयुक्त ने शहरियों से जगह जगह कचरा न फेक कर सफाई अभियान में सहयोग की अपील की है। भिवंडी मनपा प्रभाग समिति एक अंतर्गत आने वाले एस टी स्टैंड के सामने 1 जनवरी को दोपहर में 1.45 बजे मनपा आयुक्त अजय वैद्य ने नारियल तोड़कर शहर में स्वच्छता अभियान का शुभारंभ किया ।जिसके बाद आयुक्त ने स्वतः हाथ में झाड़ू लेकर मनपा प्रशासन के आला अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ गायत्रीनगर रोड पर झाड़ू लगाकर स्वच्छता अभियान की शुरुवात की।उक्त रोड की गायत्रीनगर तक बेहतरीन सफाई की गई।इस दौरान आयुक्त वैद्य ने इस दरम्यान बताया कि छुट्टी के दिन सीएम एकनाथ शिंदे द्वारा किए गए सफाई कार्य से प्रेरणा लेकर स्वच्छता अभियान की शुरुवात की गई। नए साल के पहले दिन पांच प्रभाग समितियों में एक साथ सड़कों को स्वच्छता करने की मुहिम शुरू हुई।जिसके तहत प्रभाग समिति दो में अमजदिया मस्जिद से गणेश सोसायटी,तीन में आसबीबी मस्जिद से मानसरोवर आयुक्त बंगला तक,प्रभाग समिति चार में देवजी नगर के गोल्डन होटल से भंडारी कंपाउंड व प्रभाग पांच में तीनबत्ती से मनपा मुख्यालय तक एक साथ सफाई कार्य को अंजाम दिया गया।आयुक्त ने बताया कि इस मौके पर मनपा के सारे अधिकारी व कर्मचारी तथा स्वच्छता विभाग लोगों ने नामांकित सड़कों पर एक साथ झाड़ू लगाकर स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिए।तत्पश्चात सफाई किए गए सड़कों व डिवाईडरो की अच्छे ढंग से धुलाई की गई।आयुक्त ने बताया कि उक्त अभियान शहर में निरंतर चलता रहेगा।उन्होंने कहा कि नए वर्ष के शुभारंभ के साथ ही शहर को स्वच्छ बनाने की मुहिम आज से शुरू की गई है।मनपा आयुक्त वैद्य ने इस दौरान शहरवासियों से घंटागाड़ी अथवा कचरा स्पॉट पर कचरा फेंकने की अपील की,ताकि कचरे को आसानी से उठाकर शहर को स्वच्छ व साफ सुथरा बनाया जा सके।

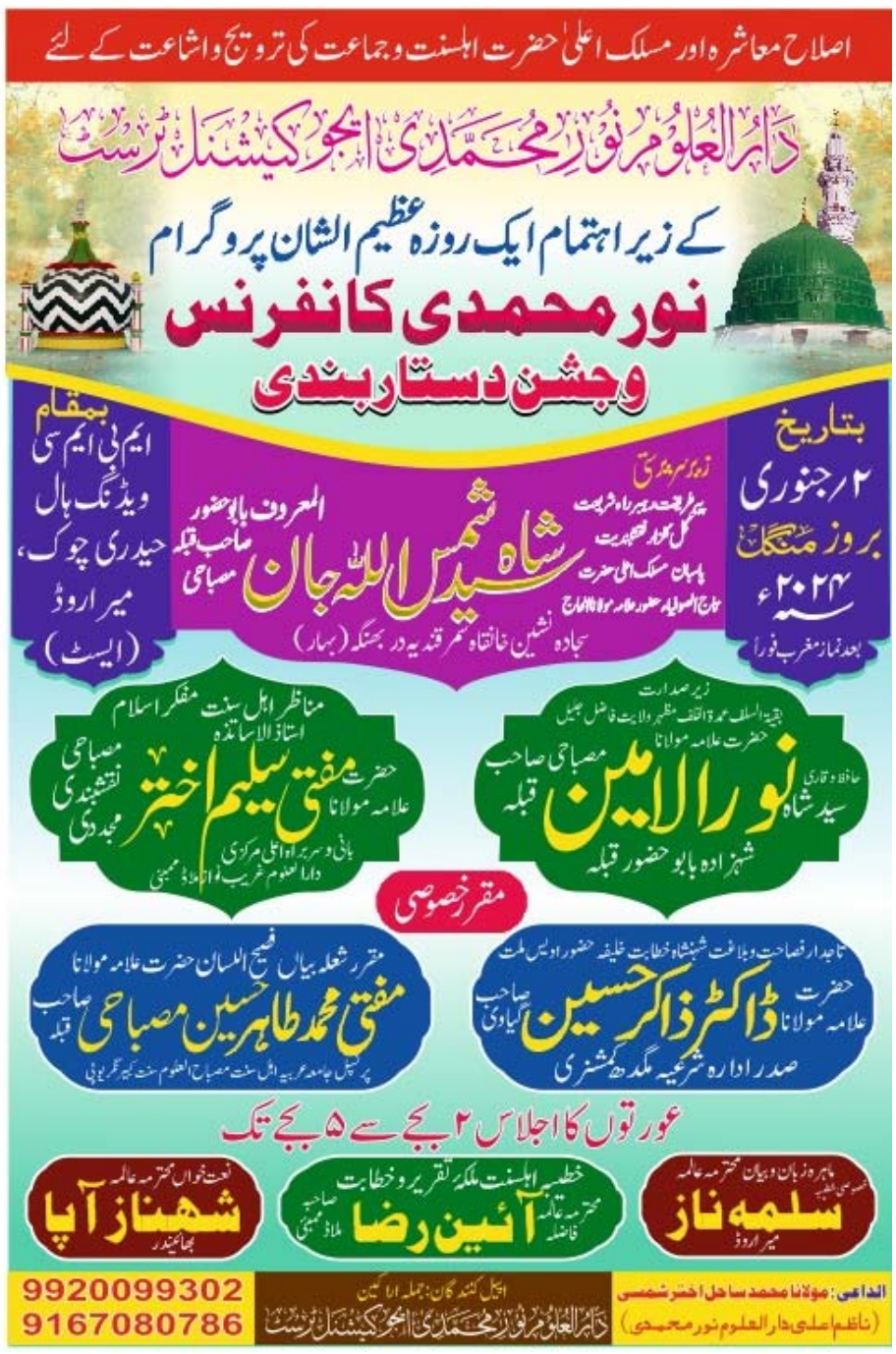

यह दैनिक मालक-मुद्रक-प्रकाशक, संपादक मोहम्मद शकील अब्दुल रफीक ने सिटी इन्टरप्राजेस धरती कॉम्पलेक्स शॉप नं. 11, एवरशाईन नगर, मिरा रोड (पूर्व), जिल्हा - ठाणे से प्रकाशित किया, मुख्य कार्या लय- धरती कॉम्पलेक्स शॉप नं. 11, एवरशाईन नगर, मिरा रोड (पूर्व), जिल्हा - ठाणे महाराष्ट्र।मुंबई कार्या लय- शॉप नं. 14 उपाध्याय इंडस्ट्रियल इस्टेट, दहिसर चेक नाका, मुंबई इस समाचार पत्र में प्रकाशित सभी समाचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है किसी भी विवाद का निपटारा मा. ठाणे न्यायालय के अधीन होगा संपादक मो. शकील अ. रफीक : मो. 9869128483
Email : shakeelsahara@gmail.com / citynewsmumbai@gmail.com website : www.citynewsmumbai.in RNI No. : MAHHIN/2012/47486